गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 349
दि. 22.04.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

ईरान-अमेरिका शांति वार्ता में शामिल हो सकते हैं डोनाल्ड ट्रंप, रॉयटर्स का दावा

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इस हफ्ते शांति वार्ता की मेजबानी कर सकता है। सबसे चौंकाने वाली खबर यह है कि यदि बातचीत सकारात्मक रहती है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद इस बैठक का हिस्सा बन सकते हैं।

वे या तो व्यक्तिगत रूप से इस्लामाबाद पहुंच सकते हैं या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ सकते हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच दो हफ्ते का युद्धविराम चल रहा है, जो बुधवार को खत्म होने वाला है। पूरी दुनिया की नजरें अब इस मुलाकात पर टिकी हैं।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधि इस हफ्ते इस्लामाबाद में बैठकर विवाद सुलझाने की कोशिश करेंगे। पाकिस्तानी सूत्रों का कहना है कि तैयारी पूरी है और बातचीत सही दिशा में बढ़ रही है। हालांकि, ईरान ने शुरूआत में होर्मुज स्ट्रेट में अपना जहाज जब्त किए जाने पर नाराजगी जताई थी, लेकिन अब उसके रुख में नरमी देखी जा रही है। अगर यह वार्ता सफल होती है, तो यह मध्य-पूर्व में शांति की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगी।

मौजूदा युद्धविराम बुधवार को समाप्त हो रहा है और राष्ट्रपति ट्रंप इसे आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं दिख रहे हैं। ट्रंप का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा समझौता करना है जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें न बढ़ें और शेयर बाजार स्थिर रहे। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप की ये सख्त शर्तें बातचीत की मेज पर बड़ी

चुनौती पैदा कर सकती हैं।

ईरान की मांगें और हिचकिचाहट

ईरान इस समय दोराहे पर खड़ा है। एक तरफ वह चाहता है कि उस पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंध हटें और युद्ध का खतरा टल जाए, वहीं दूसरी तरफ वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई आंच नहीं आने देना चाहता। ईरान होर्मुज स्ट्रेट पर अपने नियंत्रण को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है ताकि अमेरिका से बेहतर डील हासिल कर सके। हालांकि वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों ने वार्ता में शामिल होने के सकारात्मक संकेत दिए हैं, पर अंतिम फैसला अभी बाकी है।

समझौते के रास्ते में खड़ी बाधाएं

भले ही दोनों पक्ष टेबल पर आने को तैयार दिख रहे हों, लेकिन आपसी विश्वास की कमी सबसे बड़ी बाधा है। होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी जहाज की जब्ती और युद्धविराम खत्म होने की समयसीमा ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है।

अमेरिका जहां परमाणु मुक्त ईरान चाहता है, वहीं ईरान अपनी संप्रभुता और आर्थिक आजादी की मांग पर अड़ा है। इन विपरीत हितों के बीच किसी ठोस नतीजे पर पहुंचना इस्लामाबाद वार्ता के लिए सबसे कठिन परीक्षा होगी।

बालेन सरकार का बड़ा फैसला, नेपाल में महीने में 2 बार मिलेगी सैलरी

(जीएनएस)।

नेपाल सरकार ने अपनी सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। अब वहां सरकारी कर्मचारियों को महीने के अंत का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि उन्हें हर 15 दिन में वेतन दिया जाएगा। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य बाजार में पैसों के बहाव (छ०४३८) को बढ़ाना और आम जनता की खरीदारी की क्षमता में सुधार करना है।

नेपाल ऐसा करने वाला दक्षिण एशिया का संभवतः पहला देश बनने जा रहा है। यह निर्णय न केवल कर्मचारियों की आर्थिक तंगी को दूर करेगा, बल्कि छोटे व्यापारियों और बाजार के लिए भी संजीवनी साबित हो सकता है।

नेपाल के वित्त मंत्रालय के नए आदेश के अनुसार, अब कर्मचारियों को महीने में एक बार के बजाय दो किस्तों में वेतन मिलेगा। हर नेपाली महीने के 15वें दिन आधी सैलरी खाते में डाल दी जाएगी और बाकी हिस्सा महीने के अंत में मिलेगा। पुरानी व्यवस्था में पूरा पैसा एक साथ मिलने पर लोग उसे जल्दी खर्च कर देते थे और महीने के आखिरी दिनों में उन्हें उधार लेना पड़ता था। अब पखवाड़े (15 दिन) में पैसा मिलने से कर्मचारियों का बजट नहीं बिगड़ेगा।

नेपाल की अर्थव्यवस्था इस समय सुस्ती के दौर से गुजर रही है। लोग बाजार में पैसा कम खर्च कर रहे हैं, जिससे दुकानों और व्यापार पर बुरा असर पड़ रहा है। सरकार का मानना है कि जब कर्मचारियों के हाथ में हर दूसरे हफ्ते पैसा आएगा, तो वे घरेलू जरूरतों जैसे राशन, स्कूल फीस और अन्य खरीदारी पर नियमित खर्च करेंगे। इससे मार्केट में कैश का फ्लो बढ़ेगा और मांग में इजाफा होगा, जिससे थमी हुई अर्थव्यवस्था को फिर से गति मिल सकेगी।

पाकिस्तान की नई मिसाइल ने उड़ाई दुनिया की नींद!

ब्रह्मोस को टक्कर देने आया 'तैमूर'

(जीएनएस)।

पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी स्वदेशी 'तैमूर' एयर लॉन्च क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल मुख्य रूप से नौसेना की ताकत बढ़ाने और समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए तैयार की गई है। पाकिस्तानी सेना के अनुसार, यह परीक्षण उनकी सैन्य तैयारियों और आधुनिक युद्ध क्षमता का एक बड़ा प्रदर्शन है।

इस मिसाइल को भारत की 'ब्रह्मोस' मिसाइल के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे दक्षिण एशिया में हथियारों की होड़ और बढ़ सकती है।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा क्रढफ ने बताया कि तैमूर मिसाइल ने अपने लक्ष्य पर बेहद सटीक निशाना साधा। सेना का दावा है कि इस परीक्षण से पाकिस्तान की लंबी दूरी तक दुश्मन के जहाजों को नष्ट करने की क्षमता साबित हुई है। इस सफलता पर पाकिस्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों को बधाई दी। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इसे देश की रक्षा प्रणाली के लिए एक बड़ा 'मील का पत्थर' करार दिया है।

तैमूर मिसाइल की सबसे बड़ी खूबी इसकी 600 किलोमीटर की रेंज है। यह एक 'स्टैंड-ऑफ' हथियार है, जिसका मतलब है कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमान दुश्मन के रडार की पकड़ में आए बिना बहुत दूर से ही इसे लॉन्च कर सकते हैं। यह मिसाइल जमीन के काफी करीब उड़ान भरती है, जिससे दुश्मन के डिफेंस सिस्टम के लिए इसे समय रहते पहचानना और मार गिराना बहुत मुश्किल हो जाता है।

तकनीकी रूप से तैमूर एक सबसोनिक मिसाइल है, यानी इसकी रफ्तार ध्वनि की गति से कम (लगभग 0.8 मैक) है। यह अपने साथ 400 से 450 किलोग्राम तक का विस्फोटक ले जा सकती है।

उपराष्ट्रपति ने मेरठ में आईआईएमटी विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज मेरठ स्थित आईआईएमटी विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा

कि यह अवसर न केवल एक शैक्षणिक यात्रा के पूरा होने का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता की शुरूआत का भी प्रतीक है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वे एक ऐसे भारत में कदम रख रहे हैं जो तेजी से विकसित हो रहा है।

लखनऊ में भाजपा की जन आक्रोश रैली

सीएम योगी के पदयात्रा से लखनऊ में लगा जाम

लखनऊ में रूट डायवर्जन लागू

महिला आरक्षण बिल के विरोध में जन आक्रोश रैली

सीतापुर से 5 हजार से ज्यादा महिला कार्यकर्ता पहुंचीं

हजरतगंज इलाके में यातायात व्यवस्था में बदलाव

पदयात्रा को लेकर वाहनों की रफ्तार पड़ी धीमी

लखनऊ। (जीएनएस)।

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास न होने पर मंगलवार को राजधानी में भाजपा ने जन आक्रोश रैली निकाली। रैली का नेतृत्व सीएम योगी ने किया।

इस पदयात्रा में उनके साथ हजारों महिलाएं चल रही थीं। सीएम योगी तेज धूप में सड़कों पर उतरे। धूप से बचने के लिए भगवा रंग का गमछा पहना।

रैली में उनके साथ डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और सुभासपा लीडर ओपी राजभर भी मौजूद रहे।

पदयात्रा को लेकर हजरतगंज की तरफ जाने वाली कई सड़कों पर डायवर्जन लागू किया गया था।

5 हजार से ज्यादा महिलाओं के साथ सड़क पर उतरे सीएम योगी

पदयात्रा विधानभवन के सामने पहुंची।

इस बीच लोहिया पथ, कैंट रोड, लालबत्ती चौराहा, परिवर्तन चौक समेत कई रास्तों पर वाहनों की कतार लग गई। लोगों को धूप में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यातायात संभालने में पुलिसकर्मियों को भी धूप में काफी देर जूझना पड़ा।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से लखनऊ में हो रही नारी शक्ति वंदन की जन आक्रोश रैली में शामिल होने के लिए सीतापुर जिले की पांच हजार महिला कार्यकर्ता पहुंचीं।

संसद में महिला आरक्षण बिल गिर जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी की ओर से जन आक्रोश रैली लखनऊ में हो रही है। रैली में पूरे प्रदेश की महिला पदाधिकारियों व कार्यकर्ता हो रही हैं।

मंगलवार की सुबह चार बजे भाजपा कार्यालय पर सभी महिला कार्यकर्ता एकत्र हुईं, जिनको भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने जिले से 150 बसों व 50 निजी वाहनों से पांच हजार महिला कार्यकर्ताओं को रवाना किया। बता दें कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक के लोकसभा में पास न होने पर विपक्ष के खिलाफ आक्रोश दिखाने के लिए मंगलवार यानी 21 अप्रैल को विधान भवन के सामने भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता जुटे।

जन आक्रोश महिला पद यात्रा को देखते हुए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया था, ताकि पद यात्रा के दौरान किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। हजरतगंज व आसपास के इलाकों में रोड शो के चलते डायवर्जन व्यवस्था लागू की गई थी।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- 'पीएम मोदी आतंकवादी हैं...', आगबबूला हुई भाजपा तो देनी पड़ी सफाई

(जीएनएस)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को आतंकवादी कह दिया है जिसके बाद इखढ आगबबूला हो गई है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि खरगे का ये बयान पूरे देश का अपमान है।

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए आगामी 23 अप्रैल को वोटिंग होने वाली है। इसके लिए चुनाव का प्रचार मंगलवार को समाप्त हो जाएगा। इस चुनाव में ऊटड-कांग्रेस का मुकाबला अक्अऊटड और भाजपा के गठबंधन से हो रहा है। सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव प्रचार में ताकत झोंक दी है। हालांकि, इस बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा ही विवादित बयान दे दिया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को आतंकवादी बता दिया है। अब उनके इस बयान पर बवाल शुरू हो गया है।

तमिलनाडु के चेन्नई में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- "ये लोग (AIADMK) मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वो एक आतंकवादी हैं। वो समानता में विश्वास नहीं करते। उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। और इन लोगों का उनके साथ जुड़ना, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पीएम मोदी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर तमिलनाडु चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- "मुझे शर्म आती है कि कांग्रेस और डीएमके इतनी नीच हरकत पर उतर आए हैं कि वे भारत की जनता द्वारा

कांग्रेस-डीएमके नीच हरकत पर उतरे- पीयूष गोयल

लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहकर उनका अपमान कर रहे हैं। राहुल गांधी और एमके स्टालिन को प्रधानमंत्री और उन्हें वोट देकर सत्ता में लाने वाली भारत की जनता के इस घोर अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस और डीएमके ने इस बयान से 140 करोड़ भारतीयों को, जिनमें हमारे 8 करोड़ तमिल भाई-बहन भी शामिल हैं, अपमानित किया है।"

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- "यह अपवित्र गठबंधन प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर भारतीयों को आतंकवादी कह रहा है। प्रधानमंत्री पर इस तरह के व्यक्तिगत हमले उनके चुनावी भाग्य को नहीं बदलेंगे, जो उनके कुशासन से पीड़ित जनता के गुस्से से पहले ही तय हो चुका है।"

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने तमिलनाडु चुनाव को लेकर कहा, "एनडीए गठबंधन को क्लीन स्वीप मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को दिन-प्रतिदिन मिल रहे जबरदस्त समर्थन को देखिए।

लुटेरी सरकार को जवाब देने तमिलनाडु पहुंचे सीएम मोहन यादव, जनसभाओं में साधा विपक्ष पर निशाना

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने तमिलनाडु में बीजेपी-एआईएडीएमके गठबंधन के समर्थन में प्रचार किया, डीएमके और कांग्रेस की आलोचना की, जबकि विकास, डबल इंजन सरकार, भाषा को बढ़ावा देने और महिलाओं के आरक्षण को मुख्य प्राथमिकता के रूप में जोर दिया।

विकास और डबल इंजन सरकार पर जोर

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बीच सियासी माहौल तेज हो गया है। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य में भारतीय जनता पार्टी और एआईएडीएमके के समर्थन में चुनाव प्रचार करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने नमक्कल जिले की रासीपुरम और तिरुपुर जिले की

'पहले हमारी पार्टी का...' सपा की महिला कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में जलाया भाजपा का झंडा

लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीजेपी का झंडा जलाकर अपना विरोध जताया. प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना है कि इससे पहले हमारी पार्टी का झंडा और राष्ट्रीय अध्यक्ष की तस्वीर जलाई गई. झंडा जलाने वाली रिंकी और रंजन को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. जमकर धक्का-मुक्की और नोक-झोंक हुई. महिला पुलिस ने दोनों को खींचते हुए गाड़ी में बैठाया.

2027 के विधानसभा चुनाव से पहले ही यूपी की पारा हाई है. राजधानी लखनऊ में आज समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी का झंडा जला दिया. भाजपा कार्यालय के पास सपा कार्यकर्ताओं ने झंडा जलाते हुए जमकर नारेबाजी और हंगामा किया. प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि इससे पहले हमारी पार्टी का झंडा और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर जलाई गई थी. उसका विरोध करते हुए अब हम लोग झंडा जला रहे हैं. झंडा जलाने वाली रिंकी और रंजन को पुलिस ने हिरासत में लिया. दोनों को खींचते हुए गाड़ी में बैठाया गया.

इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी महिलाओं के बीच में जमकर धक्का-मुक्की और नोक-झोंक हुई. दोनों प्रदर्शनकारियों से काफी देर तक महिला पुलिसकर्मी

खींचते हुए ले गई पुलिस

संघर्ष करती रहीं. काफी संघर्ष के बाद महिलाओं को पुलिस गाड़ी में बैठाया गया. प्रदर्शनकारी महिलाएं लगातार भारतीय जनता पार्टी मुदार्बाद, योगी-मोदी मुदार्बाद के नारे लगा रही थीं. प्रदर्शन करने वाली दोनों महिलाओं को हिरासत में लेकर पुलिस इको गार्डन ले गई है.

अखिलेश ने लखनऊ की मेयर को घेरा

उधर, अखिलेश यादव ने लखनऊ की मेयर सुषमा खरकवाल के नाम फेसबुक पर एक पत्र लिखा है. अखिलेश ने इसमें अपनी मां पर की गई सुषमा खरकवाल कि टिप्पणी का जवाब दिया. सपा प्रमुख ने लिखा, 'आदरणीय सुषमा खरकवाल जी, भारतीय जनता पार्टी, मेयर लखनऊ. आप कृपया अपनी राजनीतिक मजबूरीवश मेरी दिवंगत मां का नाम लेकर एक महिला के रूप में एक अन्य महिला का अपमान न करें. नारी के सम्मान में आपसे बस इतना आग्रह है. यदि आपके घर में कोई बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे तो उनसे पूछ लीजिए कि आपका ये अति निंदनीय द्वेषपूर्ण बयान उचित है या नहीं. बाकी आप स्वयं एक महिला हैं. महिला ही जब महिला का अपमान करेगी तो कौन आपको नैतिक रूप से सही कहेगा'

अखिलेश ने लिखा, 'भारतीय समाज में कभी भी, किसी की भी मां का अपमान स्वीकार्य नहीं है. आपका राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल होता अगर आप उसे नैतिक मानकों पर इतना नीचे न ले जातीं, आज आपके समर्थक भी शर्मिंदा हैं. जिनको प्रभावित करने के लिए आप अपना स्तर गिरा रही हैं, वो किसी के भी सगे नहीं हैं. आप अपना स्तर बनाए रखें और संतुलन भी. मैं आपसे किसी क्षमा की भी अपेक्षा नहीं रखता हूं और न ही ऐसा कहने के बाद क्षमा के कोई मायने रह जाते हैं. आपका अकेले में बैठकर जो पछतावा होगा, हमारे लिए इतना ही बहुत है. सादर. आपका भाई अखिलेश.'

'आपका भविष्य उज्ज्वल होता अगर' - अखिलेश यादव

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

युद्ध विराम का समय बीतने के बाद आगे क्या होगा?

ईरान–अमेरिका, इजरायल युद्ध : आगे क्या होगा?

फिलहाल 23 अप्रौल तक युद्ध विराम चल रहा है। पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच डील करवाने में जुटा हुआ है। आसिम मुनीर तेहरान में हैं और शाहबाज रियाद के चक्कर लगा रहे हैं। उधर इजरायल–लेबनान युद्ध में ट्रंप की बदौलत दस दिन का सीजफायर चल रहा है। उम्मीद की जा रही है कि पाकिस्तान में दूसरे दौर की बातचीत संभव है। पर इसमें अभी कई पेंच पंसे हुए हैं। दोनों पक्ष अपनी–अपनी बड़ी शर्तो पर अड़े हुए हैं।

अब सवाल उठता है कि आगे क्या हो सकता है? हमें तो चार संभावित परिदृश्य दिखाई दे रहे हैं। रणनीतिक विराम के रूप में नाजुक युद्ध विराम : कई हफ्तों की लड़ाई के बाद, अमेरिका–ईरान युद्ध विराम संकट को सीमित करने की इच्छा का संकेत देता दिखा। हालांकि शुरूआत से ही इसके साथ कई तरह की बातें जुड़ी रहीं। युद्ध विराम के प्रावधानों की व्याख्या को लेकर मतभेद सामने आए। इन मतभेदों के कारण वुछ पर्यवेक्षकों ने इसे एक स्थायी ढांचे के बजाए रणनीतिक विराम के रूप में देखना शुरू कर दिया। एक अमेरिकी विश्लेषक के अनुसार संघर्ष शुरू होने के बाद से ही समझौते तक पहुंचने की संभावना लगभग शून्य थी। ये सिद्धांतों, स्थितियों और नीतियों का एक ऐसा समूह है, जिन पर अमेरिका और ईरान सालों से असहमत रहे हैं और युद्ध इन मतभेदों को कम करने में नाकाम रहा है। दोनों पक्षों के परस्पर विरोधी बयानों से स्थिति और बिगड़ गई है। डोनाल्ड ट्रंप की ओर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकाबंदी की घोषणा से टकराव और बढ़ गया है। हालांकि तनाव बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। दावे से वुछ भी नहीं कहा जा सकता कि युद्ध रुकेगा या नहीं? एक परिदृश्य जो शायद सबसे अधिक मुमकिन है, वो है टकराव की नियंत्रित तनाव के रूप में वापसी। इसका मतलब होगा कि संघर्ष खुली जंग के स्तर तक नहीं पहुंचेगा और न ही दोनों पक्ष पूरी तरह सैन्य कार्रवाई से परहेज करेंगे। इसमें बुनियादी ढांचे, सैन्य ठिकानों या आपूर्ति लाइनों पर सीमित हमले जारी रह सकते हैं। इसके बाद प्राक्सी समूहों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी। वुछ विश्लेषक इस स्थिति को शैडो वॉर कहते हैं। जैसे–जैसे तनाव बढ़ता है, गलत आंकलन का खतरा बढ़ता है, और भले ही कोई पक्ष तनाव बढ़ाना न चाहता हो, एक छोटी गलती भी संघर्ष को अनियंत्रित स्तर तक पहुंचा सकता है।

पाकिस्तान में वार्ता विफल होने के बावजूद यह निष्कर्ष निकालना अभी संभव नहीं है कि वूटनीति खत्म हो चुकी है या वार्ता पूरी तरह टूट चुकी है। अमेरिका का 15 सूत्रीय प्रास्ताव और ईरान का 10 सूत्रीय जवाबी प्रास्ताव यह जरूर दिखता है कि दोनों पक्ष बजाए किसी मध्य मार्ग पर पहुंचने के अभी भी अपनी–अपनी शर्तो को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसलिए भले ही वार्ता का नया दौर संभव हो। लेकिन जल्दी और व्यापक समझौते की उम्मीद करना सही नहीं लगता। अगर अमेरिकी नाकाबंदी जारी रहती है तो ईरानी सेना ने खाड़ी, लाल सागर और ओमान की खाड़ी में शिपिंग की खतरे की चेतावनी दी है। ट्रंप ने घोषणा की है कि देश की नौसेना ईरान पर समुद्री नाकाबंदी जारी रखेगा जिससे वह हर गुजरते जहाज को रोक सकता है और यह ईरान को किसी हालत में स्वीकार नहीं है। ईरान ने यह धमकी दी है कि अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्र में उन जहाजों को रोका जाएगा जो होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को ट्रांजिट शुल्क नहीं देंगे तो नतीजा अच्छा नहीं होगा। ट्रंप चाहते हैं ईरान की तेल आय को रोकना, उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करना और ईरान को मजबूर करना कि वह अमेरिका की शर्तो को माने। लेकिन अन्य विश्लेषकों ने इस नीति से अमेरिका को होने वाली भारी लागत की ओर इशारा किया है क्योंकि इससे उसकी सैन्य ताकत भौगोलिक रूप से ईरान के करीब आ जाएगी और हमलों के प्राति अधिक संवेदनशील हो जाएगी। मौजूदा माहौल में रणनीतिक पैसले, सुरक्षा से जुड़े सवाल और जमीनी स्तर पर छोटे घटनाव्रम भी संकट की दिशा पर बड़ा असर डाल सकते हैं।

लौट आए रसोई गैस के पुराने दिन.. सरकार ने सप्लाई और बुकिंग पर लिया बड़ा फैसला

(जीएनएस)।

ईरान संकट का असर कब तक आपकी रसोई पर पड़ेगा? यदि आप इस प्रश्न का उत्तर खोज रहे हैं तो बता दें कि भारत सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और सप्लाई को लेकर एक बड़ा ऐलान किया है. सरकार ने गैस उत्पादन बढ़ाकर सप्लाई को स्थिर कर दिया है और बुकिंग की समय सीमा भी बढ़ा दी है. साथ ही, समुद्री रास्तों से आ रहे तेल के जहाजों की सुरक्षा और ग्रामीण रोजगार (मनरेगा) को लेकर भी पुख्ता आश्वासन दिया गया है. चलिए विस्तार से बताते हैं.

आजकल जब भी हम टीवी खोलते हैं या सोशल मीडिया देखते हैं, तो बस युद्ध और तनाव की खबरें ही नजर आती हैं. खासकर वेस्ट एशिया (ट्रीं एं२३) में जो हालात बने हुए हैं, उन्हें देखकर हर आम आदमी के मन में एक ही डर था– क्या पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस महंगी हो जाएगी? क्या रसोई गैस पहले की तरह आसानी से मिलेगी? लेकिन आपके लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है. भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि दुनिया में चाहे कितनी भी उथल–पुथल मची हो, आपके घर की रसोई का बजट और गैस की सप्लाई पर कोई आंच नहीं आने वाली है. सरकार ने गैस सिलेंडर पर एक ऐसी राहत दी है, जिससे लगने लगा है कि जल्द ही पुराने दिन लौट आएंगे.

दिल्ली में हुई एक हाई–लेवल मीटिंग में पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने देशवासियों को एक बड़ा भरोसा दिया है. उन्होंने बताया कि सरकार ने डोमेस्टिक एलपीजी (छढक्ष्) के प्रोडक्शन को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है, ताकि बाहरी देशों के संकट का असर हमारे देश के आम आदमी की जेब पर न पड़े. सबसे अच्छी बात यह है कि गैस बुकिंग की डेडलाइन को भी बढ़ा दिया गया है, चाहे आप शहर में रहते हों या गांव में, अब आपको बुकिंग के लिए भाग–दौड़ करने की जरूरत नहीं है. सरकार का कहना है कि देश के किसी भी कोने में, किसी भी गैस एजेंसी के पास स्टॉक की कोई कमी नहीं है और सप्लाई बिल्कुल स्टेबल है.

गैस की कालाबाजारी और गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सरकार अब डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (ऊ्अउ) सिस्टम को बहुत सख्ती से लागू कर रही है. सुजाता शर्मा ने जानकारी दी कि सरकार ने इस सिस्टम के इस्तेमाल को 90 प्रतिशत तक ले जाने का टारगेट रखा था, लेकिन खुशी की बात यह है कि हम

पहले ही 92 प्रतिशत के आंकड़े पर पहुंच चुके हैं. इसका सीधा मतलब यह है कि अब गैस सिलेंडर सीधे असली हकदार के पास ही पहुंचेगा और बीच में कोई गड़बड़ी नहीं हो पाएगी. इसके अलावा, कमर्शियल गैस की सप्लाई को भी 70 परसेंट तक फिर से पटरी पर ला दिया गया है, जो बिजनेस करने वालों के लिए एक बड़ी राहत है.

छोटे सिलेंडरों की मांग में भी जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है. अगर पिछले कुछ दिनों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो 5 किलो वाले छोटे सिलेंडरों की बिक्री काफी बढ़ गई है. सरकार ने इस बारे में जागरूकता फैलाने के लिए देश भर में करीब 7,000 कैंप लगाए हैं, जिसका नतीजा यह रहा कि 3 अप्रैल से अब तक एक लाख से ज्यादा 5 किलो वाले सिलेंडर बेचे जा चुके हैं. यह उन लोगों के लिए बहुत मददगार साबित हो रहा है जो एक साथ बड़ा सिलेंडर नहीं खरीद सकते या जिन्हें कम गैस की जरूरत होती है.

समुद्री रास्तों से आने वाले तेल और गैस की सुरक्षा को लेकर भी सरकार पूरी तरह मुस्तैद है. शिपिंग मंत्रालय के डायरेक्टर मनदीप सिंह रंधावा ने एक बड़ा अपडेट देते हुए बताया कि भारत का जहाज 'देशगरिमा', जो 97,000 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर आ रहा है, बिल्कुल सुरक्षित है. यह जहाज हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से बिना किसी रुकावट के गुजर चुका है. हालांकि, पिछले 48 घंटों में उस इलाके में गोलीबारी की कुछ घटनाएं हुई थीं, जिसमें भारत के दो जहाज 'सनमार हेराल्ड' और 'जग अर्णव' भी आसपास थे, लेकिन अच्छी बात यह है कि किसी भी क्रू मेंबर को कोई चोट नहीं आई और सब सुरक्षित हैं.

विदेश मंत्रालय भी इस पूरी स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है. एडिशनल सेक्रेटरी असीम आर. महाजन ने बताया कि खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है. इसके लिए एक स्पेशल कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो चौबीसों घंटे काम कर रहा है. सरकार हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के संपर्क में है ताकि किसी भी इमरजेंसी की स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके. इसी सिलसिले में नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (ठरअ) अजीत डोभाल ने भी सऊदी अरब का दौरा किया और वहां के बड़े मंत्रियों से क्षेत्र के हालातों और भारत के रिश्तों पर लंबी चर्चा की.

ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए भी सरकार ने एक बहुत जरूरी बात कही है. रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के जॉइंट सेक्रेटरी अमित शुक्ला ने भरोसा दिलाया है कि दुनिया में चाहे जो भी अनिश्चितता हो, गांवों के विकास के लिए फंड की कोई कमी नहीं होगी. उन्होंने साफ किया कि जब तक नया कानून श्इ–ॠफ्अट ॠअूउ, 2025 लागू नहीं हो जाता, तब तक मनरेगा (टॠछफएॠअ) स्कीम पहले की तरह ही चलती रहेगी. यानी ग्रामीणों को रोजगार और घर बनाने के लिए मिलने वाले पैसों पर कोई खतरा नहीं है.

कुल मिलाकर देखें तो सरकार ने हर मोर्चे पर तैयारी पुख्ता कर ली है. चाहे वह गैस की सप्लाई हो, समुद्री रास्तों की सुरक्षा हो या फिर गांवों का विकास, आम आदमी को घबराने की कोई जरूरत नहीं है. सरकार की इन कोशिशों से यह तो साफ है कि आने वाले समय में भी हमें गैस की किल्लत या महंगाई का वो डर नहीं सताएगा जिसकी आशंका जताई जा रही थी. यह कदम वाकई में करोड़ों भारतीयों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है.

होर्मुज में भारतीय जहाज पर हुई फायरिंग को लेकर चीन ने तोड़ी चुप्पी, जानें 48 घंटे बाद क्या कहा

(जीएनएस)।

चीन ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर रहे भारतीय जहाज पर हुए हमले को लेकर आखिरकार चुप्पी तोड़ दी है। उसने एक सवाल के जवाब में भारत का बिना नाम लिए कहा कि होर्मुज की स्थिति नाजुक है। चीन ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग बताते हुए इसके खुला रहने की वकालत भी की।

होर्मुज में भारतीय जहाज पर ईरानी हमले को लेकर चीन ने क्या कहा

बीजिंग: चीन ने होर्मुज से गुजर रहे भारतीय झंडे वाले जहाज पर फायरिंग को लेकर बयान दिया है। विदेश मंत्रालय ने उकसावे से बचने की अपील की है। नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने ये बात कही। इसके साथ ही चीन ने ईरानी झंडे वाले जहाज को रोकने और फिर उसे कब्जे में लेने की अमेरिकी कार्रवाई पर चिंता जताई है। चीन के अनुसार सभी पक्षों को जिम्मेदारी के साथ सीजफायर का पालन करना होगा। वो प्रेस की ओर से पूछे सवालों का जवाब दे रहे थे।

चीन से सवाल क्या पूछा गया?

ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, उनसे भारतीय शिप पर हमले को लेकर पूछा गया कि ईरानी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय झंडे वाले एक जहाज पर फायरिंग की थी, जिससे नेविगेशनल सेफ्टी को लेकर चिंता बढ़ गई थी। चीन इस तनाव को कैसे देखता है और स्ट्रेट में अपने शिपिंग और एनर्जी हितों की सुरक्षा के लिए

वह किन उपायों पर विचार कर रहा है?

चीन ने होर्मुज को खुला रखने का किया समर्थन

इसके जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जियाकुन ने कहा कि होर्मुज की स्थिति बहुत नाजुक है, लेकिन चीन को उम्मीद है कि सभी पक्ष इसकी गंभीरता को समझेंगे। उन्होंने कहा, "मैंने होर्मुज स्ट्रेट के मुद्दे पर चीन का रुख पहले ही बता दिया है। हम यह दोहराना चाहेंगे कि होर्मुज स्ट्रेट एक इंटरनेशनल वॉटरवे है, और इसे नेविगेशन के लिए खुला रखना इस इलाके के देशों और इंटरनेशनल कम्युनिटी के हक में है।"

चीन ने ईरान और अमेरिका से शांति की अपील की

उनके अनुसार सब मिलकर काम करेंगे और चीन अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के साथ मिलकर कोशिशें जारी रखने को तैयार है। उन्होंने सभी पक्षों से अपील की कि वे तनाव बढ़ाने से बचें और ऐसा माहौल बनाएं जिससे इस रास्ते पर सामान्य आवाजाही शुरू हो सके। ईरानी जहाज को कब्जे में लेने की बात अमेरिका ने की थी। कहा था कि उसने एक ईरानी जहाज के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे कब्जे में ले लिया, क्योंकि वह ईरानी बंदरगाहों पर लगी नाकाबंदी से बचने की फिराक में था।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर क्या लिखा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पोस्ट में लिखा, "टाउसका नामक एक ईरानी झंडे वाला मालवाहक जहाज, जिसकी लंबाई लगभग 900 फीट है और जिसका वजन लगभग एक विमानवाहक पोत के बराबर है, हमारी नौसैनिक नाकेबंदी को पार करने की कोशिश कर रहा था, और उनके लिए यह अच्छा नहीं रहा।"

गर्मी में छा गया मैंगो शाही टुकड़ा: लखनऊ की यादों से जुड़ी खास मिठाई बनी सबकी फेवरेट, ये रही आसान रेसिपी

गर्मी में मैंगो शाही टुकड़ा तेजी से पॉपुलर हो रहा है. आम, रबड़ी और ब्रेड का ये कॉम्बिनेशन स्वाद और ठंडक दोनों देता है, जिसे लोग घरों में आसानी से बना रहे हैं.

गर्मियों का मौसम आते ही आम की खुशबू हर घर में महसूस होने लगती है. ऐसे में अगर मिठाई की बात हो और उसमें आम शामिल हो जाए, तो बात ही अलग हो जाती है. इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर किचन तक एक खास डिश की चर्चा तेज है–मैंगो शाही टुकड़ा. ये सिर्फ एक मिठाई नहीं, बल्कि स्वाद, यादों और मौसम का एक खूबसूरत मेल बनकर उभर रही है. लखनऊ की पुरानी रेसिपी और मुंबई के रसीले अल्फांसो आम का कॉम्बिनेशन लोगों को खूब पसंद आ रहा है. खास बात ये है कि इसे बनाना जितना आसान है, इसका स्वाद उतना ही रिच और अलग लगता है. गर्मी में ठंडा–ठंडा सर्व किया जाए तो ये हर किसी का फेवरेट बन जाता है.

क्या है मैंगो शाही टुकड़ा का नया ट्रेंड

गर्मी में आम से बनने वाली डिशेस की कमी नहीं है–आमरस, शेक, आइसक्रीम, लेकिन इस बार लोगों का ध्यान जिस डिश ने खींचा है, वो है मैंगो शाही टुकड़ा. पुराने शाही टुकड़े में जहां सिर्फ रबड़ी और ब्रेड का इस्तेमाल होता था, वहीं अब इसमें आम का ट्विस्ट देकर इसे और भी खास बना दिया गया है. घर–घर में लोग इसे ट्राई कर रहे हैं. खासकर छोटे शहरों में, जहां लोग पारंपरिक स्वाद को नए अंदाज में पसंद करते हैं, वहां ये डिश तेजी से लोकप्रिय हो रही है.

लखनऊ की यादें और आम का स्वाद

पुराने जमाने की कहानी शाही टुकड़ा की शुरूआत लखनऊ की रसोई से मानी जाती है. पहले इसे ब्रेड से नहीं, बल्कि ढ्ढबलईढ्ढ यानी दूध की मोटी परत से बनाया जाता था. समय

के साथ ब्रेड ने इसकी जगह ले ली और ये मिठाई हर घर तक पहुंच गई. आज जब इसमें आम जोड़ा गया है, तो इसका स्वाद एकदम अलग लेवल पर पहुंच गया है. लोग बताते हैं कि बचपन में गर्मियों में आम खाने का जो मजा था, वही अब इस मिठाई में महसूस होता है.

बनाने का तरीका बना रहा है इसे खास

1. आम को भिगोने की ट्रिक

इस रेसिपी में एक दिलचस्प बात सामने आई है–आम को पहले 3–4 घंटे पानी में भिगोकर रखना. इससे आम की गर्म तासीर थोड़ी कम हो जाती है और स्वाद और भी बढ़िया हो जाता है. कुछ लोग इसमें गुलाब जल या केवड़ा भी डालते हैं, जिससे खुशबू और बढ़ जाती है.

2. दूध फटने से बचाने का आसान उपाय

अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि आम डालने पर दूध फट जाता है, लेकिन इस बार एक आसान ट्रिक ने सबकी परेशानी खत्म कर दी है–थोड़ा सा बेकिंग सोडा डालने से दूध फटता नहीं और रबड़ी स्मूद बनती है.

घरों में कैसे बन रहा है ये खास डेजर्ट

आजकल लोग इसे अपने अंदाज में बना रहे हैं. कोई इसमें ज्यादा आम डाल रहा है, तो कोई ज्यादा केसर और इलायची का इस्तेमाल कर रहा है. कई लोग इसे फ्रिज में ठंडा करके सर्व करते हैं, जिससे गर्मी में इसका मजा दोगुना हो जाता है. एक दिलचस्प बात ये भी सामने आई है कि लोग अब ब्रेड को ज्यादा तलने के बजाय हल्का फ्राई कर रहे हैं, ताकि वो रबड़ी में अच्छे से सोख सके और ज्यादा भारी न लगे.

हार की हैट्रिक लगाने से बचना चाहेगी राजस्थान, लखनऊ से होगा सामना, जानें कैसी होगी दोनों टीमों की प्लेइंग 11

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 के 32वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायट्स (LSG) और राजस्थान रॉयल्स (RR) की टीम आमने–सामने होंगी। ये मुकाबला लखनऊ की होम ग्राउंड इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें अपना पिछला मुकाबला हारकर यहां आई हैं। मैच से पहले जानें कैसी होगी दोनों टीमों की प्लेइंग 11 और पिच रिपोर्ट

हार की हैट्रिक लगाने से बचना चाहेगी राजस्थान, लखनऊ से होगा सामना, जानें कैसी होगी दोनों टीमों की प्लेइंग 11

लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान से लखनऊ की टीम भिड़ेगी।

LSG vs RR Pitch Report: दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीगों में से एक आईपीएल 2026 में अब तक कई रोमांचक मुकाबले खेले जा चुके हैं। आईपीएल के 32वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायट्स (छरत्र्) और राजस्थान रॉयल्स (फ्र्र) के बीच इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला 22 अप्रैल को शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। राजस्थान मुकाबले में जीतकर हार की हैट्रिक लगाने से बचना चाहेगी, वहीं लखनऊ की नजर भी जीत पर होगी। दोनों ही टीमें अपना पिछला मुकाबला हारकर यहां आई हैं। मुकाबले को जीतकर लखनऊ और राजस्थान की टीम हार के सिलसिले को तोड़ना चाहेगी।

लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान से लखनऊ की टीम भिड़ेगी। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायट्स अब तक खेले 6 मुकाबलों में 2 में जीत और 4 में हार मिली है। वहीं पॉइंट्स टेबल में लखनऊ 9वें स्थान पर है। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम अब तक खेले 6 मुकाबलों में 4 में जीत और 2 में हार का सामना करना पड़ा है। पॉइंट्स टेबल में राजस्थान की टीम तीसरे नंबर पर है।

मैच से पहले जानें छरत्र्या फ्र्रमें से कौन किस पर भारी पड़ सकता है, दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11 और पिच रिपोर्ट के साथ–साथ मौसम का हाल भी।

आधी आबादी से पीडीए की काट खोज रही भाजपा; लखनऊ में सड़क पर सीएम योगी, समीकरण समझिए

यूपी सरकार मंगलवार को सड़कों पर नजर आई। इसके बाद अखिलेश यादव कैमरों के सामने आए। भाजपा के विपक्ष की तैयारी की बात कही। इस पूरे प्रकरण ने महिला आरक्षण के मुद्दे को गहरा दिया है।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजनीति खूब गरमाई रही। मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरी यूपी सरकार और भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष के खिलाफ जन आक्रोश यात्रा निकाली। चिलचिलाती धूप में भाजपा की पदयात्रा पर तत्काल समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया आ गई। भाजपा के 2027 में विपक्ष बनने की बात करने लगे। लेकिन, यूपी की राजनीति में पहली बार आधी आबादी का मुद्दा चुनावों से पहले विपक्ष को टेंशन देने वाला तो बन ही गया है। तमाम समीकरणों को तैयार करने के बीच भाजपा ने विपक्ष पर जिस प्रकार से हमला बोला है, यह रिटर्न अटैक के तौर पर माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान अखिलेश यादव के नेतृत्व में विपक्ष ने सत्ताधारी एनडीए पर संविधान को खत्म करने और आरक्षण खत्म करने जैसे आरोप लगाए। वहीं, जब महिला आरक्षण के मुद्दे सदन में एनडीए की ओर से उठाया गया, तो विपक्ष ने विरोध कर दिया। अब आरक्षण विरोधी का नैरेटिव विपक्ष के खिलाफ सेट किए जाने तैयारी पूरी है।

मुद्दे पर राजनीति तय

नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के साथ ही परिसीमन विधेयक दो–तिहाई बहुमत के अभाव में लोकसभा में गिर गया। संसद के घटनाक्रम को सड़क तक अपने–अपने नैरेटिव को सेट करने की कोशिश शुरू हो गई है। महिला आरक्षण के मसले को भारतीय जनता पार्टी जोर–शोर से उठा रही है। वहीं, विपक्ष परिसीमन के मुद्दे पर घेरने में जुटी है। सदन के बाहर तमाम विपक्षी दल सत्ता पक्ष के आक्रामक रवैये के कारण घिरते दिख रहे हैं। यूपी में करीब 9 सालों से सत्ता में रही भाजपा हमेशा विपक्षी हमलों को बैकफुट पर रहकर अपने तरीके से डिफेंड करने की कोशिश करती रही थी।

लोकसभा चुनाव 2024 में जातीय गोलबंदी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स के जरिए भाजपा को बैकफुट पर धकेला गया। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा जैसे मुद्दे तक को पीछे रखकर भाजपा अपने मुद्दों को चुनावी मैदान में उठाती रही। विपक्ष ने सत्ता पक्ष को अपने नैरेटिव में ऐसा फंसाया कि 400 सीटों का दावा करने वाली भाजपा पूर्ण बहुमत भी हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में महिला आरक्षण का मुद्दा भाजपा के लिए बहुत बड़ा मौका बनकर आया है।

2027 से पहले जमीन पर भाजपा

2024 में आसमान में उड़ती और 400 के पार का नारा देती भाजपा यूपी चुनाव 2027 से पहले जमीन पर दिख रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तक जमीन पर उतरते दिख रहे हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भले ही केंद्र सरकार की ओर से लाया गया संविधान संशोधन विधेयक था, लेकिन भाजपा को आरक्षण विरोधी करार देने वाले विपक्ष को घेरने के लिए अब पार्टी इसे हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। महिलाओं यानी आधी आबादी के जरिए विपक्ष के जातीय गोलबंदी यानी पीडीए पॉलिटिक्स की काट तैयार करने में जुट गई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले दिनों बंगाल के चुनावी मैदान में यूपी के कानून व्यवस्था मॉडल के साथ–साथ महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के रवैये पर हमला करते दिखे। सीएम योगी ने चुनावी सभाओं में लगातार कहा है कि मां–माटी–मानुष की बात करने वाली ममता बनर्जी ने संसद में 'मां' यानी महिला को धोखा दिया। वहीं, लखनऊ की सड़कों पर अपने दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक एवं अन्य मंत्री–नेताओं के साथ उतरकर प्रदेश की राजनीतिक हलचल तेज कर दी है।

परीक्षा से पहले की तैयारी

यूपी में अगले साल फरवरी–मार्च में चुनावी परीक्षा से भाजपा को गुजरना है। लेकिन, प्रदेश में सपा की राजनीति महिला आरक्षण के मुद्दे से टकराती रही है। अगले साल उत्तर प्रदेश के साथ कई राज्यों में चुनाव होने हैं। लेकिन, सबसे अधिक नजर उत्तर प्रदेश पर ही रहने वाली है। भाजपा ने प्रदेश के महिला वोट बैंक को साधने का पूरा प्रयास किया है। कानून व्यवस्था से लेकर एंटी रोमियो पुलिस और महिला अपराध पर हाफ एनकाउंटर–एनकाउंटर जैसी नीतियों ने महिलाओं के बीच सीएम योगी की लोकप्रियता बढ़ाई है।

यूपी चुनाव 2022 के चुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदेश प्रभारी रहते हुए 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' के नारे के साथ 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट की घोषणा की। हालांकि, योगी सरकार की नीतियों के कारण इन घोषणाओं और टिकट वितरण का कांग्रेस को कोई लाभ नहीं मिला। अब महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस–सपा दोनों लोकसभा में विरोध में वोट कर चुकी है। इससे पहले भी यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान राजद की ओर से महिला आरक्षण का विरोध किया गया था।

क्या है रणनीति?

सत्ता पक्ष के आक्रामक रुख ने विपक्ष को बैठफुट पर धकेल दिया है। महिलाओं के लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसदी सीटों पर आरक्षण के मसले को लेकर जिस प्रकार की राजनीति हो रही है, उससे सीनियर नेताओं की मुश्किलें बढ़ी हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने तो संसद में साफ किया था कि अगर विपक्ष संविधान संशोधन बिल का विरोध करेगा तो फायदा उन्हें हो जाएगा। अब इस फायदे को उठाने के लिए सरकार सड़क पर है।

वहीं, अखिलेश यादव इस पूरे मामले को लेकर सफाई दे रहे हैं। सबसे अधिक डर विपक्ष पर आरक्षण विरोधी का ठप्पा लगने का है। यह ठप्पा अब तक कई नेताओं के बयानों के जरिए विपक्ष भाजपा पर लगाती रही थी। अब इसी प्रकार का माहौल भाजपा ने विपक्ष के लिए बना दिया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

'जिनकी कोख से...', अखिलेश यादव की मां पर लखनऊ की मेयर का अमर्यादित बयान, सपा चीफ ने किया पलटवार

(जीएनएस)।

लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल ने सपा चीफ अखिलेश यादव की मां को लेकर अमर्यादित टिप्पणी कर दी. महिला आरक्षण के मुद्दे पर बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने ये कह दिया कि इन्होंने उस महिला का अपमान किया जिनकी कोख से उन्होंने जन्म लिया. इस पर अखिलेश यादव ने पलटवार किया है.

'महिला के रूप में एक अन्य महिला का अपमान न करें'

अखिलेश यादव ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, "आदरणीय सुषमा खरकवाल जी, आप कृपया अपनी राजनीतिक मजबूरीवश मेरी दिवंगत मां का नाम लेकर एक महिला के रूप में एक अन्य महिला का अपमान न करें. नारी के सम्मान में आपसे बस इतना आग्रह है. यदि आपके घर में कोई बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे तो उनसे पूछ लीजिए कि आपका ये अति निंदनीय द्वेषपूर्ण बयान उचित है या नहीं. बाकी आप स्वयं एक महिला हैं. महिला ही जब महिला का अपमान करेगी तो कौन आपको नैतिक रूप से सही कहेगा."

तपती धूप ने रोकी स्कूल की घंटी, लखनऊ समेत कई राज्यों में समर वेकेशन का ऐलान

तेज गर्मी और लू के बढ़ते असर को देखते हुए लखनऊ सहित देश के कई राज्यों में स्कूलों की गर्मियों की छुट्टियों का कैलेंडर जारी कर दिया गया है. अलग-अलग राज्यों ने अपने मौसम के अनुसार छुट्टियों की तारीखें तय की हैं.

(जीएनएस)।

देशभर में बढ़ती गर्मी और लू ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है. खासकर बच्चों के लिए दोपहर के समय स्कूल जाना चुनौती बनता जा रहा है. इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकारों ने स्कूलों की गर्मियों की छुट्टियों का ऐलान करना शुरू कर दिया है.उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी गर्मी का असर तेजी से बढ़ रहा है, जिसके चलते स्कूलों के समय में बदलाव और छुट्टियों की तैयारी तेज हो गई है.

लखनऊ में गर्मी का असर और स्कूलों की स्थिति

लखनऊ में पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार बढ़ रहा है. दिन के समय तेज धूप और लू चलने से बच्चों को काफी परेशानी हो रही है. कई स्कूलों ने अपने समय में बदलाव करते हुए सुबह जल्दी छुट्टी देना शुरू कर दिया है.अगर यही स्थिति बनी रहती है, तो छुट्टियों को पहले लागू करने पर भी विचार किया जा सकता है.अभिभावक भी बच्चों की सेहत को लेकर चिंतित हैं.

उत्तर प्रदेश में कब से होंगी छुट्टियां

उत्तर प्रदेश के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार राज्य के स्कूलों में 20 मई 2026 से गर्मियों की छुट्टियां शुरू होंगी.यह अवकाश 15 जून तक चलेगा और 16 जून से स्कूल दोबारा खुलेंगे. हालांकि, मौसम की स्थिति के अनुसार इसमें बदलाव संभव है.

दिल्ली में लंबी छुट्टियों का ऐलान

दिल्ली में स्कूलों की गर्मियों की छुट्टियां 11 मई से शुरू होकर 30 जून तक चलेंगी. इस दौरान बच्चों को लंबा अवकाश मिलेगा, जबकि शिक्षकों को जून के अंत में कुछ दिनों के लिए प्रशासनिक कार्यों हेतु स्कूल आना पड़ सकता है.

राजस्थान में छुट्टियों की अवधि कम

राजस्थान में इस बार 17 मई से 20 जून तक गर्मियों की छुट्टियां रहेंगी. इस साल शिक्षा विभाग ने छुट्टियों की अवधि में कमी की है ताकि पढ़ाई समय पर पूरी हो सके.

बिहार और हरियाणा का शेड्यूल

बिहार में 1 जून से 20 जून तक स्कूल बंद रहेंगे। वहीं हरियाणा में 1 जून से 30 जून तक पूरे एक महीने की छुट्टियां घोषित की गई हैं.

मध्य प्रदेश में सबसे पहले छुट्टी

मध्य प्रदेश में गर्मी को देखते हुए 1 मई से ही स्कूल बंद कर दिए जाएंगे.यहां 15 जून तक अवकाश रहेगा, जिससे बच्चों को ज्यादा राहत मिल सके.

उत्तराखंड में अलग व्यवस्था

उत्तराखंड में भौगोलिक स्थिति के कारण छुट्टियों का समय अलग-अलग होता है. मैदानी इलाकों में पहले और पहाड़ी क्षेत्रों में बाद में छुट्टियां दी जाती हैं. आमतौर पर मई के मध्य से जून के अंत तक स्कूल बंद रहते हैं.

हालांकि सभी राज्यों ने अपना कैलेंडर जारी कर दिया है, लेकिन अगर गर्मी और बढ़ती है तो सरकार छुट्टियों की तारीखों में बदलाव कर सकती है. इसलिए छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक सूचना पर नजर बनाए रखें.

बंगाल में कौन है ये समुदाय, जिसमें लोग करते हैं चार-चार शादियां? अमित शाह ने प्रतिबंध लगाने का लिया संकल्प

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 21 अप्रैल 2026 को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार में बहुविवाह प्रथा पर निशाना साधा। सिलीगुड़ी और कुल्टी में जनसभाएं संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा के सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता (वउउ) लागू कर इस पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अमित शाह ने 'घुसपैठ-मुक्त बंगाल' का भी वादा किया। इसके साथ ही अमित शाह ने स्पष्ट किया कि बंगाल में भाजपा सत्ता में आने पर एक विशेष समुदाय में चार शादियों पर प्रतिबंध लगाएगी।

कौन है ये विशेष समुदाय जो करता है चार शादियां?

गृह मंत्री ने सीधे नाम लेने के बजाय विशेष समुदाय शब्द का प्रयोग करते हुए यूसीसी लागू कर चार शादियों पर प्र तिबंध लगाने का संकल् प लिया। दरअसल, अमित शाह ने ये बात मुस्लिम समुदाय के लिए की है जिसमें बहुविवाह की प्रथा है। याद रहे भारत में मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत पुरुष को कुछ शर्तों के साथ एक से अधिक (अधिकतम 4) शादियों की अनुमति है। जबकि हिंदू, सिख, ईसाई आदि के लिए एक से ज्यादा शादी करना गैरकानूनी है (यह क्ढउ के तहत अपराध है)। इसलिए जब "कई शादियों" की बात होती है, तो संदर्भ आमतौर पर मुस्लिम पर्सनल लॉ का होता है।

अमित शाह के चुनावी संकल् प के क या है मायने?

अमित शाह के चुनावी संकल्प के मायने यह हैं कि उन्होंने बिना किसी समुदाय का नाम लिए "चार शादियों" के मुद्दे को उठाकर अप्रत्यक्ष रूप से बहुविवाह पर रोक की बात की, जिसे वे वल्लाङ्ग१ ङ्र५' उङ्गी (वउउ) लागू करने से जोड़ते हैं। अमित शाह ने ये संकल् प लेकर सीधे मुस्लिम समाज की महिलाओं के हितों की पैरवी की। शाह ने इस संकल् प से जाहिर कर दिया कि ममता बजर्नी नहीं भाजपा मुस्लिम महिलाओं की हितैषी है और उनके लिए वास् तव में चिंतित है। चुनावी माहौल में शाह ने साफ कर दिया कि बंगाल में अगर भाजपा सरकार बनती है तो सामाजिक सुधार और लैंगिक न्याय के पक्ष में कदम उठाएगी।

क्या है UCC, जिसके लागू होने से बहुविवाह पर लगेगी रोक?

यह एक ऐसा प्रस्तावित कानून है जिसके तहत भारत में सभी नागरिकों के लिए, चाहे उनका धर्म कोई भी हो, विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे निजी मामलों में एक समान नियम लागू होंगे; अभी ये मामलों अलग-अलग धार्मिक पर्सनल लॉ (जैसे हिंदू, मुस्लिम, ईसाई कानून) से चलते हैं, लेकिन वउउ लागू होने पर सभी के लिए एक ही कानून होगा, जिससे समानता और एकरूपता लाने की बात कही जाती है, हालांकि इस पर धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक विविधता को लेकर बहस भी जारी है।

बंगाल में कब होगी वोटिंग?

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में निर्धारित हैं। लाखों मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने को लेकर विवाद के बीच यह चुनाव हो रहे हैं, जिस पर टीएमसी ने भाजपा और चुनाव आयोग की कथित मिलीभगत का आरोप लगाया है। वोटों की गिनती 4 मई को संपन्न होगी, साथ ही तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के परिणाम भी आएंगे।

2011 से पश्चिम बंगाल में है ममता दीदी की सरकार

टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी 2011 से मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने दशकों पुराने वाम गढ़ में सेंध लगाकर राज्य में सत्ता हासिल की। 2021 के विधानसभा चुनाव में, भाजपा 2016 की 3 सीटों से बढ़कर 77 पर पहुंच गई, हालांकि टीएमसी की सीटों में भी वृद्धि दर्ज की गई। टीएमसी भाजपा को अक्सर 'बाहरी' दल बताती है, वहीं हिंदुत्व विचारधारा से प्रेरित भाजपा टीएमसी पर भ्रष्टाचार और मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाती है।

पीएम मोदी के आगमन से पहले सीएम योगी पहुंचे काशी, करेंगे समीक्षा बैठक, स्थलीय निरीक्षण का भी प्लान

वाराणसीः (जीएनएस)। अपने दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार की शाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी पहुंचे। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 28 अप्रैल के प्रस्तावित दौरे को लेकर मुख्यमंत्री योगी काशी पहुंचे हुए हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकार्पण और उद्घाटन होने वाले विकास कार्यों का जायजा लेंगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान वह जिले के अधिकारियों संग सर्किट हाउस में कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि इस दौरान भाजपा के पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद रहेंगे। इसको लेकर अधिकारियों ने तैयारी की है।

दर्शन पूजन भी करेंगे सीएम

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सर्किट हाउस में बैठक के बाद काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर सीएम योगी केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं की जमीनी हकीकत भी देख सकते हैं।

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अप्रैल को दो दिवसीय दौरे पर काशी आ सकते हैं। इसके साथ ही बरेका ग्राउंड में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिलाओं से संवाद कर सकते हैं। इसी को लेकर सीएम योगी बरेका जाकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री जिन रास्तों से होकर गुजरेंगे उन रास्तों पर रूट डायवर्जन लागू किया गया है।

'जहरीले सांप', 'रावण' और अब 'पीएम मोदी आतंकवादी', डँशी ने कब-कब की कांग्रेस की फजीहत? भाजपा ने किया एक्सपोज

(जीएनएस)।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के प्रचार का 21 अप्रैल को आखिरी दिन है। 23 अप्रैल को मतदान होने वाला है। चेन्नई में कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर ऐसा बयान दे दिया कि पूरे देश में सियासी भूचाल आ गया। खरगे ने पीएम मोदी को 'आतंकवादी' करार दिया।

AIADMK के NDA में शामिल होने पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'वे (मोदी) एक आतंकवादी हैं। वे समानता में विश्वास नहीं करते। उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती।'

बयान के कुछ ही घंटों बाद खरगे ने सफाई देने की कोशिश की, लेकिन विवाद थमा नहीं। उन्होंने कहा, 'मैंने उन्हें कभी आतंकवादी नहीं कहा... मेरा मतलब था कि वे लोगों और राजनीतिक दलों को डरा रहे हैं। ईडी, आईटी, सीबीआई उनके हाथ में हैं। वे परिसीमन भी अपने कब्जे में लेना चाहते हैं।' लेकिन पहला बयान वायरल हो चुका था। अक्अउ्टङ को 'बीजेपी का मुंह-गुलाम पार्टनर' बताते हुए खरगे ने आगे कहा कि आज AIADMK ने अपनी पहचान खो दी है। यह तमिलनाडु के हितों की रक्षा नहीं कर सकता क्योंकि यह पीएम मोदी का गुलाम बन चुका है।

यह बयान सिर्फ चुनावी भाषण नहीं था। यह कांग्रेस और इखढ के बीच लंबे समय से चल रहे जुबानी युद्ध का नया अध्याय है। इसका तमिलनाडु चुनावों पर क्या असर पड़ सकता है? आइए समझते हैं...

अक्अउ्टङ का ठउ्अ में शामिल होना

तमिलनाडु में उ्टङ की सरकार चल रही है। अक्अउ्टङ लंबे समय से इखढ के साथ गठबंधन की कोशिश कर रही है। खरगे ने ठीक इसी मुद्दे पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि AIADMK मोदी के साथ हाथ मिलाकर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। आपको ऐसा नेता चाहिए जो इखढ के सामने न झुके, जैसे एमके स्टालिन। बयान के समय चेन्नई में कांग्रेस की रैली चल रही थी और प्रचार का अंतिम दिन था। खरगे का इरादा स्पष्ट था कि दक्षिण भारत में इखढ के बढ़ते प्रभाव को रोकना और अक्अउ्टङ को 'गद्दार' साबित करना।

खरगे का सफाई का प्रयासः 'डरा रहे हैं' वाला क्लैरिफिकेशन

ड्रें'-ल्लं४-ी ्रैड्र्ङ्गल्ल-2026

विवाद भड़कने के बाद खरगे ने कहा कि उनका मतलब 'आतंकवादी' से 'डराने वाला' था। उन्होंने संस्थाओं (ED, CBI, IT) का हवाला दिया और कहा कि मोदी परिसीमन के जरिए भी विपक्ष को कमजोर करना चाहते हैं। लेकिन सोशल मीडिया और टीवी डिबेट में खरगे के पहले बयान का वीडियो ही छाया रहा। विपक्षी नेता इसे 'जुबान फिसलना' बता रहे थे, जबकि इखढ इसे 'सोचा-समझा हमला' मान रही है।

खरगे के पिछले विवादित बयानः एक पैटर्न?

यह पहला मौका नहीं जब खरगे ने पीएम मोदी पर तीखे शब्द इस्तेमाल किए।

2023 कर्नाटक चुनावः पीएम मोदी की तुलना 'जहरीले सांप' से की।

2022 गुजरात चुनावः मोदी को 'रावण' बताया और पूछा, 'आपके रावण की तरह 100 मुख हैं क्या?'

ये बयान हर बार चुनावी मौसम में आए। कांग्रेस इन्हें 'मोदी की तानाशाही' के खिलाफ आवाज बताती है, जबकि इखढ इसे 'अपमानजनक और राष्ट्र-विरोधी' करार देती है। खरगे का स्टाइल साफ है कि सीधा, भावुक और व्यक्तिगत हमला। लेकिन हर बार सफाई भी देते हैं।

BJP का तीखा पलटवारः 'जुबान नहीं फिसली, ये षड्यंत्र'

BJP ने तुरंत जवाब दिया। संबित पात्रा ने कहा, 'जुबान नहीं फिसली, ये सोचा-समझा षड्यंत्र है। कांग्रेस जानबूझकर PM को आतंकवादी कह रही है, ताकि देश की एकता को तोड़ा जा सके।' उधर, पीयूष गोयल ने इसे 'कांग्रेस के निचले स्तर की शर्म' बताया। उन्होंने कहा, 'खरगे जी का बयान दिखाता है कि कांग्रेस कितनी हताश हो चुकी है। ढट मोदी देश को आतंकवाद से मुक्त कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस का इतिहास आतंकवादियों से समझौता करने का रहा है।'

तमिलनाडु चुनाव पर असर?

तमिलनाडु में इखढ का वोट शेयर बढ़ रहा है। अक्अउ्टङ-ठउ्अ गठबंधन की संभावना कांग्रेस और DMK दोनों के लिए खतरा है। खरगे का बयान उ्टङ के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकता है।

कानूनी पहलूः PM को 'आतंकवादी' कहना अपमानजनक है। इखढ कानूनी कार्रवाई की बात कर रही है।

जनता की प्रतिक्रियाः सोशल मीडिया पर बयान की भारी आलोचना हो रही है। कई लोग इसे 'असंसदीय' बता रहे हैं।

चुनावी रणनीतिः कांग्रेस दक्षिण में 'मोदी-विरोध' पर वोट मांग रही है, लेकिन इखढ इसे 'राष्ट्र-विरोध' बता रही है।

क्यों यह बयान इतना विवादास्पद?

शब्दों का वजनः प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहना सिर्फ व्यक्तिगत हमला नहीं, बल्कि देश के सर्वोच्च पद का अपमान है। यह लोकतंत्र में भाषा की सीमा तय करता है।

हताशा का संकेतः तमिलनाडु में कांग्रेस कमजोर है। अक्अउ्टङ का ठउ्अ में जाना कांग्रेस की चिंता बढ़ा रहा है।

पैटर्न ५२ गलतीः खरगे के पिछले बयानों (जहरीला सांप, रावण) को देखें तो यह 'जुबान फिसलना' नहीं, बल्कि रणनीति लगती है। इखढ इसे 'टूलकिट' बता रही है।

देश की एकता पर असरः जब देश आतंकवाद से लड़ रहा है, तब ढट को आतंकवादी कहना युवाओं और सेना के बीच गलत संदेश दे सकता है।

सियासी भाषा की नई सीमा?

मल्लिकार्जुन खरगे का बयान कांग्रेस की हताशा दिखाता है, लेकिन इखढ को चुनावी मुद्दा दे गया है। तमिलनाडु के मतदाता अब फैसला करेंगे कि क्या वे 'मोदी-विरोध' को वोट देंगे या 'राष्ट्र-विरोधी बयानबाजी' को नकारेंगे।

धंधुका में 'योगी मॉडल' की गूंज, धर्मेश गमेरा हत्याकांड के आरोपियों के घर चला बुलडोजर

(जीएनएस)।

गुजरात के अहमदाबाद जिले के धंधुका में धर्मेश गमेरा हत्याकांड के बाद प्रशासन अब 'एक्शन मोड' में आ गया है। मंगलवार, 21 अप्रैल को धंधुका के खातकीवाड़ इलाके में बुलडोजर कार्रवाई करते हुए कई अवैध निमार्णों को हटाया गया।

इस कार्रवाई को लेकर प्रशासन ने साफ किया है कि सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद ही यह कदम उठाया गया है। धंधुका के एसडीएम विद्यसागर ने बताया कि चार अवैध अतिक्रमणों को हटाया जा रहा है और इन सभी मामलों में पहले ही नोटिस और अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा चुकी हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्रवाई केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि धंधुका-बगोदरा हाईवे पर फ्लाईओवर से लेकर धंधुका चौक तक फैले सभी अवैध कब्जों को हटाया जाएगा।

एसडीएम विद्यासागर ने मौके पर मीडिया से बात करते हुए बताया कि प्रशासन खाटकीवाड़ इलाके में चार प्रमुख अवैध अतिक्रमणों को हटा रहा है। इसके लिए सभी कानूनी प्रक्रियाएं पहले ही पूरी की जा चुकी थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्मेश गमेरा हत्याकांड के आरोपियों के घरों के आसपास जो भी अवैध निर्माण सड़क पर पाया गया है, उसे हटाया जा रहा है। प्रशासन ने साफ किया कि आरोपियों का अवैध रूप से बना घर भी गिराया जाएगा।

बगोदरा फ्लाईओवर से लेकर धंधुका चौक तक बगोदरा हाईवे पर जितने भी अवैध निर्माण हैं, उन्हें इस अभियान के तहत हटाया जाएगा।

भारी पुलिस बल की निगरानी में हुई कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था या विरोध से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अहमदाबाद ग्रामीण डीएसपी आस्था राणा ने बताया कि करीब 400 पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया है। इसके अलावा दो अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं, जो पूरे अभियान की निगरानी कर रही हैं। उन्होंने कहा, सुरक्षा के मद्देनजर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की टीमें भी मौके पर मौजूद हैं। ड्रोन के जरिए लगातार निगरानी की जा रही है ताकि स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण रखा जा सके। महिलाएं, ताजा अपडेट

क्या था धर्मेश गमेरा हत्याकांड?

धंधुका में 18 अप्रैल शनिवार को बाइक ओवरटेक करने जैसी मामूली बात पर विवाद शुरू हुआ था। इस दौरान धर्मेश गमेरा नामक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद शहर में सांप्रदायिक तनाव फैल गया था और कई दुकानों में आगजनी व तोड़फोड़ की गई थी। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी समीर मोहम्मदभाई और रिजवान निजामभाई को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने एक विशेष जांच दल (रक्ळ) का गठन किया है, जो इस पूरी घटना की तह तक जाकर जांच कर रहा है।

जांच जारी, आगे भी कार्रवाई संभव

डीएसपी ने यह भी स्पष्ट किया कि धमेंश गामरा हत्या मामले की जांच अभी जारी है और प्रशासन के निर्देशों के अनुसार आगे भी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि अवैध कब्जों को हटाना एक नियमित प्रक्रिया है और इसे कानून के दायरे में रहकर ही अंजाम दिया जा रहा है।

इस बुलडोजर कार्रवाई के बाद इलाके में हलचल बढ़ गई है। बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी और लगातार चल रही कार्रवाई के कारण लोगों में चर्चा का माहौल है। प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे और अवैध कब्जों के खिलाफ सख्ती बरती जाएगी।

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव के साथ कोजी हुई नई हसीना, रिएलिटी शो में की ऐसी हरकत, वायरल हुआ वीडियो

(जीएनएस)।

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव इन दिनों रिएलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' में मेंटर के तौर पर नजर आ रहे हैं, जहां उनकी एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी के साथ मजेदार नोक-झोंक खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। कभी दोनों के बीच हल्की-फुल्की फ्लर्टिंग तो कभी भोजपुरी गानों पर जमकर डांस करते देख ऐसा लग रहा है कि इनकी केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आ रही है।

खेसारी लाल यादव-प्रियंका चाहर चौधरी के बीच फ्लर्टिंग

रिएलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' में खेसारी लाल यादव और प्रियंका चाहर चौधरी की केमिस्ट्री देख लोग कयास लगा रहे हैं कि दोनों के बीच कहीं प्यार की खिचड़ी तो नहीं पक रही। लोग खेसारी लाल यादव के फ्लर्टिंग नेचर पर भी जमकर चर्चा कर रहे हैं। दरअसल खेसारी लाल यादव पहले भी कई हसीनाओं के साथ फ्लर्टिंग करते हुए देखे गए हैं। एक्टर के कई वीडियोज भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए हैं।

-भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव का नाम कई एक्ट्रेसेस के साथ जोड़ा गया है। हालांकि भोजपुरी क्वीन काजल राघवानी के साथ उनकी जोड़ी ऑनस्क्री और ऑफसक्रीन सुपरहिट साबित हुई है। फैंस तो यहां तक कहने लगे थे कि दोनों ने चुपचाप शादी कर ली है लेकिन बाद में दोनों ने ब्रेकअप कर लिया।

-आपको बता दें कि ब्रेकअप के बाद काजल राघवानी ने खेसारी लाल यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। काजल ने एक इंटरव्यू में कहा था कि खेसारी लाल यादव ने उनसे शादी करने का झूठा वादा किया था।

काजल ने कहा था कि खेसारी लाल यादव एक बड़े धोखेबाज इंसान हैं।

-इस लिस्ट में श्रुति राव का नाम भी आता है जो लिट्टी चोखा में खेसारी लाल यादव के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आई थीं। हालांकि बाद में उन्होंने इन सभी अफवाहों का खंडन करते हुए साफ कर दिया था कि उनका खेसारी लाल यादव के साथ कोई रिश्ता नहीं है।

-इन दिनों खेसारी लाल यादव के साथ यामिनी सिंह की जोड़ी भी काफी चर्चा में है। दोनों लगातार बैक-टू-बैक म्यूजिक वीडियोज में साथ काम कर रहे हैं और इनके अफेयर की भी चर्चा हो रही है।

इसके अलावा खेसारी लाल यादव के 40वें जन्मदिन पर उनकी और एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी की कुछ कोजी तस्वीरें और वीडियोज वायरल हुई हैं। इतना ही नहीं एक फोटो में तो दोनों को लिप-किस पोजिशन में देखा गया था जिसके बाद अफवाहें और तेज हो गई थीं। हालांकि आकांक्षा पुरी ने इस पर कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया था।

जानकारी के अनुसार खेसारी लाल यादव फिल्मों में आने से पहले ही चंदा देवी से शादी कर चुके थे। असल जिंदगी में वह दो बच्चों के पिता हैं। उनकी बड़ी बेटी कृति यादव फिल्मों में काम भी कर चुकी हैं, जिसके लिए उन्हें बेस्ट चाइल्ड डेब्यू एक्टर का अवॉर्ड भी मिला है।

-रिएलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' इस समय काफी पॉपुलर हो रहा है। सोशल मीडिया पर इस शो की जमकर चर्चा हो रही है। इस शो में 28 दिनों के लिए 16 कंटेस्टेंट्स 4 रीजनल टीमों में बंटकर बैटलग्राउंड हाउस में रह रहे हैं और हर दिन स्ट्रेंथ और एंड्यूरेंस के मुश्किल टास्क का सामना कर रहे हैं।

-वीकेंड पर एलिमिनेशन का दबाव इस गेम को और भी इंटेंस बना रहा है। इस सीजन में मुंबई स्ट्राइकर्स प्रियंका चाहर चौधरी के हाथ में है। वहीं हरियाणा बुल्स को खेसारी लाल यादव लीड कर रहे हैं जबकि दिल्ली डॉमिनेटर्स के मेंटर अभिषेक मल्हान हैं और यूपी दरभंगा को राहुल चौधरी आगे बढ़ा रहे हैं।

-इस रिएलिटी शो को भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन सिर्फ होस्ट ही नहीं कर रहे बल्कि गाइड और मोटिवेटर के रूप में भी नजर आ रहे हैं। शिखर धवन शो के कंटेस्टेंट्स को फिजिकली और मेंटली मजबूत बनने के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं और यही इसे बेहद खास और रोमांचक बना रहा है।

लंबे बाल और दाढ़ी तक पर भारी जुमार्ना, लखनऊ के इस संस्थान में लेंसकार्ट विवाद जैसा मामला, ऐसे-ऐसे नियम

(जीएनएस)।

लखनऊः चश्मा बनाने वाली मशहूर कंपनी लेंसकार्ट आजकल विवादों में है। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर कंपनी की पुरानी इंटरनल ग्रूमिंग पॉलिसी वायरल हो गई। इस पॉलिसी में बिंदी, तिलक और कलावा जैसे हिंदू धार्मिक प्रतीकों पर रोक का दावा किया गया था, जबकि हिजाब की अनुमति थी। इसके बाद लेंसकार्ट का विरोध शुरू हो गया। अब यूपी की राजधानी लखनऊ से भी ऐसा एक मामला सामने आया है। यहां लोहिया संस्थान में आउटसोर्स कर्मचारियों को एजेंसी की तरफ से अजब-गजब फरमान जारी किए गए हैं।

आदेश में कहा गया है कि बालों में जुड़ा या हेयरनेट ना पहनने पर महिला कर्मचारियों से 200 रुपये जुमार्ना वसूला जाएगा। इसी तरह, पुरुषों को दाढ़ी या लंबे बाल रखने पर इतना ही जुमार्ना भरना होगा। इस आदेश से कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया है।

आईकार्ड ना पहनने पर 100 रुपये जुमार्ना

एजेंसी के कैंप मैनेजर की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि ड्यूटी पर रहते हुए आईकार्ड ना पहनने या नेमप्लेट ना लगाने पर 100 रुपये

आउटसोर्स कर्मचारियों में मची खलबली

इसके अलावा बिना पूर्व सूचना के जुमार्ना वसूला जाएगा। वर्दी ना पहनने पर 200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुमार्ना लगेगा। ड्यूटी के दौरान सोने, सिगरेट पीने और शराब का सेवन करने वालों को 500 रुपये जुमार्ना भरना होगा।

ड्यूटी से गैरहाजिर होने पर भी 200 रुपये अदा करने होंगे। अवैध या अनुचित तरीके अपनाने, कार्यस्थल पर किसी तीसरे पक्ष या अधिकारियों के साथ मिलीभगत करने का दोषी पाए जाने पर बर्खास्तगी की जाएगी। इसके अलावा काउंटर पर तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर को मोबाइल फोन जमा करना होगा। इस आदेश से आउटसोर्स कर्मचारियों में खलबली मच गई है।

कर्मचारियों ने लगाया शोषण करने का आरोप

लोहिया संस्थान में करीब 4000 आउटसोर्स कर्मचारी तैनात हैं। कर्मचारियों का कहना है कि केजीएमयू और पीजीआई समेत प्रदेश के दूसरे संस्थानों में भी आउटसोर्स कर्मचारी तैनात हैं पर उनके लिए ऐसे नियम नहीं हैं। लोहिया के कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है।

लखनऊ-हरदोई समेत कई जिलों में दर्दनाक हादसे, 5 लोगों की दर्दनाक मौत; 12 से ज्यादा घायल

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर, लखनऊ, आगरा, हरदोई, हमीरपुर, अंबेडकरनगर और एटा में दर्दनाक सड़क हादसे हुए हैं. इन सड़क हादसों में पांच लोगों की जान चली गई है. जबकि, 12 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कई दर्दनाक सड़क हादसे हुए हैं. जिनमें बिजनौर, लखनऊ, आगरा, हरदोई, हमीरपुर, अंबेडकरनगर और एटा भी शामिल हैं. इन सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई. जबकि, 12 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है.

बाइक और दो स्कूटियों की जोरदार टक्कर

बिजनौर में बाइक और दो स्कूटियों की आपस में जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर लगने से दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई. जबकि, दो युवक घायल हो गए. आनन-फानन में घायलों को जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया. जहां दोनों घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतकों में एक युवक शेरकोट और दूसरा निंदड़ का रहने वाला है. यह घटना थाना धामपुर इलाके के नूरपुर मार्ग पर निंदड़ पेट्रोल पंप के पास हुआ है.

लखनऊ और चंदौली में दर्दनाक हादसा

वहीं लखनऊ के थाना नाका क्षेत्र में सड़क हादसा हुआ है. यहां मोतीनगर चौकी के पास हादसे में युवक घायल हो गया. आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल में पहुंचाया गया. इसके अलावा चंदौली के कंटेनर ने पिकअप और डंपर में टक्कर मार दी. इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. एक की हालत नाजुक बनी हुई है. यह घटना सैयदराजा थाना के रमऊपुर गांव की है.

पाकिस्तान बनाएगा सऊदी अरब में बड़ा क्रिकेट स्टेडियम, भारत के खास दोस्त को झटका देने की तैयारी?

(जीएनएस)।

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच मजबूत होते रिश्तों का असर अब खेल के मैदान पर भी दिखने वाला है। पीटीआई (PTI) के अनुसार, सऊदी अरब क्रिकेट महासंघ और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के बीच जेद्दा में एक अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम बनाने को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। पीसीबी के गवर्निंग बोर्ड ने इस योजना को हरी झंडी दे दी है और अब जमीन की तलाश के साथ-साथ अंतिम दस्तावेजों पर हस्ताक्षर होने का इंतजार है।

इस प्रोजेक्ट की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी खुद सऊदी क्रिकेट अधिकारियों के साथ लगातार चर्चा कर रहे हैं। पीटीआई के सूत्रों के मुताबिक स्टेडियम के विकास के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EOI) पहले ही जमा किया जा चुका है।

पाकिस्तान की क्या है रणनीति?

इस प्रस्तावित स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर की फ्लडलाइट्स और दर्शकों के बैठने की विश्व स्तरीय व्यवस्था होगी, ताकि यहां बड़े टूनार्मेंट आयोजित किए जा सकें। पीसीबी की इस पहल के पीछे एक बड़ी रणनीति

छिपी है। बोर्ड का मुख्य उद्देश्य सऊदी अरब में क्रिकेट को बढ़ावा देने के साथ-साथ वहां पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के कुछ मैचों का आयोजन करना है।

सऊदी अरब में पाकिस्तान और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के प्रवासियों की एक बहुत बड़ी तादाद रहती है। पीसीबी का मानना है कि वहां पीएसएल आयोजित करने से न केवल लीग को नया बाजार मिलेगा, बल्कि प्रशंसकों की भारी भीड़ भी जुटेगी।

सऊदी अरब की अपनी टी20 लीग की योजना

क्रिकेट की दुनिया में तेल समृद्ध सऊदी अरब अपनी धाक जमाने के लिए काफी उत्सुक है। रिपोर्ट्स के अनुसार सऊदी अधिकारियों ने अपनी खुद की एक टी20 लीग शुरू करने की योजना पर भी पीसीबी से चर्चा की है। सऊदी अरब अब केवल निवेश तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह मध्य पूर्व में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की तरह ही क्रिकेट का एक बड़ा केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

यूएई के विकल्प के रूप में उभरता सऊदी अरब

अभी तक मध्य पूर्व में क्रिकेट का मुख्य केंद्र संयुक्त अरब अमीरात रहा है, जहां दुबई, अबू धाबी और शारजाह जैसे मैदानों पर एशिया कप से लेकर आईपीएल और वर्ल्ड कप तक के आयोजन होते रहे हैं। साल 2010 से 2019 के बीच पाकिस्तान ने भी अपने अधिकांश घरेलू मैच यूएई में ही खेले थे। हालांकि, अब पीसीबी सऊदी अरब के साथ मिलकर एक नया विकल्प तैयार कर रहा है, जो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के समीकरण बदल सकता है। भारत और यूएई की अच्छी दोस्ती है, उसे देखते हुए कह सकते हैं कि सऊदी अरब के जरिए पाकिस्तान अब यूएई को भी मात देने के मूड में है।

मुस्लिम फैमिली की 'घर वापसी' से यूपी में भूचाल! हज यात्रा के वक्त शहजाद क्यों बना 'शंकर'? रजिया बनी 'सावित्री'

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के सबसे संवेदनशील जिले सहारनपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां का एक मुस्लिम परिवार 21 अप्रैल 2026 को हरिद्वार के नमामि गंगे घाट (ब्रह्म कुंड) पर हिंदू धर्म में शामिल हो गया। परिवार के मुखिया मोहम्मद शहजाद अब शंकर बन गए, उनकी पत्नी रजिया सावित्री बन गईं। बेटे का नाम रुद्र और बेटियों के नाम रुक्मिणी व दिशा रखे गए।

नमामि गंगे घाट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शुद्धिकरण, गंगा स्नान, हवन और जनेऊ संस्कार हुआ। कई संतों की मौजूदगी में परिवार के पांचों सदस्यों ने सनातन धर्म अपनाया। शहजाद (अब शंकर) घाट किनारे अपने गुरु अरुण किशन महाराज के पैर चूमते नजर आए। संतों ने इसे 'घर वापसी' करार दिया, जबकि परिवार ने साफ कहा - 'यह बिना किसी दबाव या प्रलोभन के व्यक्तिगत आस्था का फैसला था।'

यह घटना हज यात्रा के मौसम में हुई है, जब लाखों मुसलमान हज के लिए सऊदी अरब जा रहे हैं। ऐसे में सहारनपुर जैसे जिले से एक पूरा परिवार सनातन में लौटना न सिर्फ व्यक्तिगत, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक रूप से भी चर्चा का विषय बन गया है। अब सवाल ये उठता है कि क्यों बदला धर्म? क्या है पीछे की वजह? और कौन है ये परिवार?

मोहम्मद शहजाद सहारनपुर जिले के निवासी हैं। उन्होंने खुद बताया कि बचपन से ही पूजा-पाठ करता था। नमाज नियमित रूप से नहीं पढ़ता था। समय के साथ महसूस हुआ कि यह मेरा सही रास्ता नहीं है। उनके गुरु अरुण किशन महाराज के अनुसार, शहजाद पिछले कई महीनों से सनातन धर्म अपनाने की इच्छा जता रहे थे। जब पत्नी रजिया और तीन बच्चे (एक बेटा, दो बेटियां) पूरी तरह सहमत हुए, तब हरिद्वार का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

परिवार ने जोर देकर कहा कि यह फैसला पूरी तरह स्वेच्छा से लिया गया। शहजाद (शंकर) ने कहा, 'मुझे सनातन में विश्वास था, इसलिए परिवार के साथ यह कदम उठाया।'

हरिद्वार घाट पर वैदिक विधि-विधान की पूरी तस्वीर

21 अप्रैल 2026 को नमामि गंगे घाट पर कार्यक्रम हुआ।

शुद्धिकरणः परिवार के पांचों सदस्यों को गंगा जल से शुद्ध किया गया।

गंगा स्नानः ब्रह्म कुंड में आस्था की डुबकी लगाई गई।

हवन और जनेऊः मंत्रोच्चारण के बीच हवन हुआ, फिर जनेऊ संस्कार पूरा किया गया।

नामकरणः मोहम्मद शहजाद से शंकर, रजिया बनी सावित्री, बेटे का नाम अब रुद्र, बेटियों की पहचान अब रुक्मिणी और दिशा।

संतों का दावाः 'भारत का हर मुसलमान पहले हिंदू था'

कार्यक्रम में मौजूद प्रमुख संतों ने इसे 'घर वापसी' बतायाः

स्वामी प्रबोधानंद महाराजः 'भारत का हर मुसलमान पहले हिंदू ही था। सभी को घर वापसी करनी चाहिए। हज पर जाने वाले मुसलमानों को वहां हीन दृष्टि से देखा जाता है।'

स्वामी राम विशाल दासः 'इस्लाम अत्याचार, दुराचार के दम पर फैला। शहजाद को पूर्वजों पर हुए अत्याचार का पता था। यह घर वापसी है, न कि धर्मांतरण।'

संतों ने स्पष्ट किया कि यह किसी दबाव का परिणाम नहीं है। स्वामी प्रबोधानंद ने आह्वान किया, 'हर मुसलमान को मूल धर्म में लौटना चाहिए।'

परिवार के दिल की बातः 'नमाज नहीं पढ़ता था, सनातन की ओर झुकाव बचपन से'

शहजाद (शंकर) ने कहा कि मैं नमाज नहीं पढ़ता था। सनातन की ओर झुकाव बचपन से था।' रजिया (सावित्री) और बच्चे भी पूरी तरह सहमत थे। परिवार ने दावा किया कि यह फैसला बिना किसी बाहरी प्रभाव के लिया गया।

सहारनपुर धार्मिक संतुलन

सहारनपुर वढ का सबसे संवेदनशील जिला माना जाता है। उील्ल२४२ 2011 के अनुसारः

कुल आबादीः 34.66 लाख

हिंदूः 56.74% (लगभग 19.66 लाख)

मुस्लिमः 41.95% (लगभग 14.54 लाख)

देवबंद यहां का विश्व प्रसिद्ध इस्लामिक केंद्र है (दारुल उलूम देवबंद, 1866)। 2017 में यहां जातीय-सांप्रदायिक हिंसा हुई थी। चुनावी राजनीति में ध्रुवीकरण का केंद्र रहता है। ऐसे में एक मुस्लिम परिवार का हिंदू धर्म अपनाना यहां की सांप्रदायिक संतुलन की बहस को नई दिशा देता है।

हरिद्वार के घर वापसी का बड़ा केंद्र?

यह पहला मामला नहीं। कुछ दिन पहले बिजनौर से 'एक्स-मुस्लिम पदयात्रा' हरिद्वार पहुंची थी। संत राम विशाल दास ने कहा था कि इस्लाम छोड़ चुके लोगों का डर खत्म करना है। उन्हें सुरक्षा और स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।'

हरिद्वार के ब्रह्म कुंड को 'शुद्धि आंदोलन' का केंद्र बनाया जा रहा है। संतों ने बताया कि कई अन्य परिवार संपर्क में हैं। अगला कार्यक्रम जल्द होने की संभावना है। पहले चित्रकूट, मुजफ्फरनगर आदि में भी ऐसी घटनाएं हुई हैं।

आंदोलन का संदर्भ

'घर वापसी' 2014 के बाद चर्चा में आया। RSS और विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठन इसे 'मूल धर्म में लौटना' बताते हैं। उनका तर्क है कि कई मुस्लिम परिवार ऐतिहासिक कारणों से धर्म बदल गए थे। आलोचक इसे 'धर्मांतरण' कहते हैं। इस मामले में परिवार और संत दोनों स्वेच्छा पर जोर दे रहे हैं। अभी तक कोई कानूनी विवाद या विरोध की खबर नहीं आई।

क्या कहता है कानून और समाज?

भारत में अनुच्छेद 25 के तहत धर्म स्वतंत्रता है। वयस्क व्यक्ति अपनी मर्जी से धर्म बदल सकता है। बच्चों के मामले में अभिभावक का फैसला मान्य होता है। यूपी और उत्तराखंड में धर्मांतरण कानून हैं, लेकिन स्वेच्छा वाले मामलों में अलग प्रक्रिया है। सोशल मीडिया पर यह घटना तेजी से वायरल हो रही है। कुछ इसे 'सनातन की जीत' बता रहे हैं, कुछ सवाल उठा रहे हैं। परिवार ने बार-बार कहा कि बिना दबाव का फैसला।

आस्था का व्यक्तिगत फैसला या सामाजिक संदेश?

सहारनपुर का यह परिवार आज सनातन धर्म में शामिल हो गया। हज यात्रा के मौसम में शहजाद-शंकर, रजिया-सावित्री और बच्चों ने गंगा में डुबकी ली, जनेऊ पहना और नया नाम अपनाया। संत इसे 'घर वापसी' कह रहे हैं, परिवार इसे 'आस्था का रास्ता'।

हरिद्वार जैसे पवित्र स्थल पर ऐसे कार्यक्रम बढ़ रहे हैं। सहारनपुर की 40% से ज्यादा मुस्लिम आबादी और संवेदनशील इतिहास को देखते हुए यह घटना स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है। क्या यह व्यक्तिगत आस्था है या बड़े आंदोलन की शुरूआत? समय बताएगा। लेकिन एक बात साफ है कि भारत में हर नागरिक को अपनी आस्था चुनने का अधिकार है। परिवार की इस 'घर वापसी' ने सनातन धर्म की बहस को फिर से गर्म कर दिया है।

टीएमसी-भाजपा में किसके नेता पर ज्यादा क्रिमिनल केस? संपत्ति में कौन आगे? रिपोर्ट ने खोली पोल

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण से पहले आई एक रिपोर्ट ने चुनावी राजनीति की असली तस्वीर सामने रख दी है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) और वेस्ट बंगाल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि पहले फेज में न तो 'दागियों' की कमी है और न ही 'करोड़पतियों' की।

23 अप्रैल को होने वाले इस चुनाव में जनता की अदालत में ऐसे कई चेहरे हैं, जिनका पुराना रिकॉर्ड काफी चर्चा में है। यह डेटा मतदाताओं के लिए बेहद अहम संकेत देता है कि चुनाव सिर्फ मुद्दों का नहीं, बल्कि उम्मीदवारों के बैकग्राउंड का भी खेल है।

पहले चरण की 152 सीटों पर किस्मत आजमा रहे 1,475 उम्मीदवारों के हलफनामों के विश्लेषण से पता चला है कि 23 प्रतिशत यानी 345 उम्मीदवारों ने खुद पर आपराधिक मामले होने की बात कबूली है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि 294 उम्मीदवारों पर हत्या, हत्या के प्रयास और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे 'सीरियस क्रिमिनल केस' दर्ज हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 19 उम्मीदवारों पर मर्डर केस और 105 पर हत्या की कोशिश का मामला है। इतना ही नहीं, 98 उम्मीदवार महिलाओं के विरुद्ध अपराध के आरोपी हैं, जिनमें से 6 पर रेप जैसे जघन्य अपराध के केस दर्ज हैं। अगर पार्टियों के हिसाब से देखें, तो बीजेपी

के 70%, टीएमसी के 43%, लेफ्ट (CPI-M) के 44% और कांग्रेस के 26% उम्मीदवार दागी छवि वाले हैं। करीब 43% सीटों को 'रेड अलर्ट' घोषित किया गया है क्योंकि वहां 3 से ज्यादा दागी प्रत्याशी आमने-सामने हैं।

कौन है सबसे अमीर?

राजनीति में पैसे का बोलबाला भी कम नहीं है। पहले चरण में 21% उम्मीदवार करोड़पति हैं। प्रति उम्मीदवार औसत संपत्ति लगभग 1.34 करोड़ रुपये आंकी गई है। अमीरों की इस दौड़ में जाकिर हुसैन (जंगीपुर) ₹133.52 करोड़ की संपत्ति के साथ सबसे ऊपर हैं, जबकि उनके बाद गौतम मिश्रा (₹105.75 करोड़) और कवि दत्ता (₹72.74 करोड़) का नंबर आता है।

पार्टी स्तर पर देखें तो टीएमसी (TMC) के 72% उम्मीदवार करोड़पति हैं, जबकि बीजेपी के 47%, कांग्रेस के 33% और सीपीआई-एम के 24% उम्मीदवार इस क्लब में शामिल हैं। दूसरी तरफ, मैदान में ऐसे भी उम्मीदवार हैं जिनके पास महज 500 या 900 रुपये की संपत्ति है।

सबसे अमीर और सबसे गरीब उम्मीदवार (फ्र्रे२३ & ढङ्ग्ङ्ग१२३ उंल्ल्र्ोिइ२)

श्रेणी नाम/डिटेल संपत्ति

सबसे अमीर उम्मीदवार जाकिर हुसैन (जंगीपुर) ₹133.52 करोड़

दूसरा सबसे अमीर गौतम मिश्रा (बरजोरा) ₹105.75 करोड़

तीसरा सबसे अमीर काबी दत्ता (दुगार्पुर पश्चिम) ₹72.74 करोड़

न्यूनतम संपत्ति (उम्मीदवार 1) - ₹500

न्यूनतम संपत्ति (उम्मीदवार 2) - ₹700

न्यूनतम संपत्ति (उम्मीदवार 3) - ₹924

शिक्षा, उम्र और जेंडर का समीकरण

उम्मीदवारों की योग्यता की बात करें तो करीब 47% प्रत्याशी ग्रेजुएट या उससे ज्यादा शिक्षित हैं, जबकि 48% ने कक्षा 5 से 12 तक की पढ़ाई की है। उम्र के मामले में युवाओं और अनुभव का मिला-जुला असर दिख रहा है। 53% उम्मीदवार 41 से 60 साल की उम्र के हैं, जबकि 31% उम्मीदवार 25 से 40 वर्ष के युवाओं की श्रेणी में आते हैं।

महिला प्रतिनिधित्व के मोर्चे पर

बंगाल चुनाव : थम गया पहले चरण का शोर, 23 को 3.60 करोड़ मतदाता चुनेंगे 152 विधायक, दांव पर शुभेंदु और अधीर की साख

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनावी शोर 21 अप्रैल की शाम 05 बजे थम चुका है। पश्चिम बंगाल की 152 सीटों पर पहले चरण की वोटिंग और तमिलनाडु में एक साथ सभी 234 सीटों पर मतदान 23 अप्रैल 2026 को होने वाला है।

चुनाव प्रचार थमने के बाद चुनावी रैलियों, रोड शो और लाउडस्पीकरों की गूंज अब शांत हो चुकी है और उम्मीदवार अब केवल घर-घर जाकर ही जनसंपर्क कर पाएंगे। इस बार दोनों राज्यों में चुनाव का पैटर्न, उम्मीदवारों की संख्या और मुद्दों की दिशा, सब कुछ अलग और दिलचस्प नजर आ रहा है।

दक्षिण भारत के सियासी गढ़ तमिलनाडु में इस बार का चुनाव बेहद दिलचस्प है। राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक साथ 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इस बार के चुनाव में कुल 4,023 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में कुल 5.73 करोड़ मतदाता हैं, जो यह तय करेंगे कि अगले पांच साल तक चेन्नई की गद्दी पर कौन बैठेगा।

इस बार तमिलनाडु की राजनीति में एक नया मोड़ देखने को मिल रहा है। दिग्गज अभिनेता विजय की नई पार्टी 'टीवीके' (TVK) ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। विजय की पार्टी को मिल रहा जबरदस्त जनसमर्थन सत्ताधारी डीएमके (उ्टड) और विपक्षी एआईएडीएमके (अक्अउ्टड) के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। विजय ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ रही है, जिससे वोट बैंक में बड़े उलटफेर की संभावना है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से ही चर्चा में रहती है, लेकिन इस बार का चुनाव ऐतिहासिक है। अमूमन कई चरणों में होने वाला बंगाल चुनाव इस बार प्रशासन ने सिर्फ दो चरणों में समेट दिया है। 23 अप्रैल को पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान होगा, जबकि बाकी 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोटिंग होगी।

पहले चरण के लिए बंगाल के 16 जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस फेज में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं और करीब 3.60 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि इन मतदाताओं में 1.75 करोड़ से ज्यादा महिलाएं हैं, यही कारण है कि इस बार सभी राजनीतिक दलों ने अपने घोषणापत्र में महिलाओं से जुड़े मुद्दों और योजनाओं को सबसे ऊपर रखा है।

चुनाव आयोग की लिस्ट के अनुसार, 23 अप्रैल को उत्तर बंगाल, दक्षिण बंगाल और जंगलमहल के जिलों में वोटिंग होनी है। जिलों के हिसाब से

सीटों का बंटवारा कुछ इस प्रकार हैः

मुर्शिदाबादः 22 सीटें

पूर्व मेदिनीपुरः 16 सीटें

पश्चिम मेदिनीपुरः 15 सीटें

मालदा और बांकुड़ाः 12-12 सीटें

बीरभूमः 11 सीटें

कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर और पुरुलियाः 9-9 सीटें

जलपाईगुड़ीः 7 सीटें

दक्षिण दिनाजपुरः 6 सीटें

अलीपुरद्वार, दार्जिलिंग और पश्चिम बर्दवानः 5-5 सीटें

झाड़ग्रामः 4 सीटें

कलिंपोंगः 1 सीट

▶ बंगाल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

बंगाल में आमतौर पर चुनाव कई चरणों में होते रहे हैं। 2021 में तो 8 चरणों में वोटिंग हुई थी। लेकिन 2026 में इसे सिर्फ 2 चरणों में सीमित किया गया है। इसके पीछे वजह मानी जा रही है बेहतर प्रशासनिक प्लानिंग, सुरक्षा व्यवस्था में सुधार और समय और संसाधनों की बचत। यह बदलाव चुनाव प्रक्रिया को ज्यादा तेज और मैनेजेबल बनाने की कोशिश है।

इस बार एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है। केंद्रीय सुरक्षा बलों को पहले ही तैनात कर दिया गया है। आमतौर पर चुनाव घोषणा के बाद तैनाती होती है। लेकिन इस बार करीब 2 हफ्ते पहले ही फोर्स भेज दी गई थी। इसका मकसद चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाना है, खासकर उन इलाकों में जहां पहले हिंसा की घटनाएं हुई हैं।

तमिलनाडु का चुनाव हमेशा से ही सिनेमा और राजनीति का मिश्रण रहा है। इस बार भी कई बड़े फिल्मी चेहरे मैदान में हैं:

◆ विजय : अपनी पार्टी टीवीके के जरिए पहली बार चुनावी मैदान में हैं। वे सीधे तौर पर सत्ताधारी खेमे को चुनौती दे रहे हैं।

◆ एमके स्टालिन मुख्यमंत्री स्टालिन खुद भी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन भी पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

◆ खुशबू सुंदर बीजेपी की ओर से चुनाव लड़ रही खुशबू एक समय दक्षिण भारतीय सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस रही हैं और आज भी फिल्मों में सक्रिय हैं।

◆ गौतमी एआईएडीएमके के टिकट पर चुनाव लड़ रही गौतमी का फिल्मी करियर बेहद सफल रहा है और अब वे सक्रिय राजनीति में हाथ आजमा रही हैं।

◆ आर. सरथकुमार : एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रहे सरथकुमार अपनी पार्टी का बीजेपी में विलय कर चुके हैं और एक बार फिर चुनावी दंगल में सक्रिय हैं।

4 मई को आएंगे चुनाव के नतीजे

तमिलनाडु और बंगाल, दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजों का एलान 4 मई को किया जाएगा। तब तक सभी उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ी रहेंगी। क्या बंगाल में ममता बनर्जी की सत्ता बरकरार रहेगी या बीजेपी बाजी मारेगी?

क्या तमिलनाडु में स्टालिन वापसी करेंगे या विजय का 'एक्शन' उन्हें भारी पड़ेगा? इन सभी सवालों के जवाब 4 मई को ही मिलेंगे।

अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (ऋअद२)

1. बंगाल में इस बार कितने चरणों में चुनाव हो रहे हैं?

इस बार पश्चिम बंगाल में केवल दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल) में मतदान हो रहा है।

2. तमिलनाडु में कुल कितनी विधानसभा सीटें हैं?

तमिलनाडु में कुल 234 विधानसभा सीटें हैं और सभी पर एक साथ 23 अप्रैल को वोटिंग होगी।